Governor Greets people on Independence Day; appeals to people to work for the creation of a New India

Raj Bhawan, Dehradun, 14th August, 2018

Uttarakhand Governor Dr.K.K.Paul has greeted the people of the state and the nation on the occasion of Independence Day. At 8 a.m. tomorrow, the national flag will be hoisted at Raj Bhawan.

In his message released on the occasion, the Governor said that we should create a new India where everyone will get equal opportunity to progress. The gap between the haves and have-nots must be bridged. This will be a real tribute towards the heroes of the freedom struggle. The Governor paid rich tributes to those who laid down their lives in the freedom movement. He remembered the heroes of the freedom struggle.

The Governor said that on many parameters of development, Uttarakhand was among the leading states of the country. The state government is working towards having a clean, transparent and corruption-free governance. Special attention was being given to improving financial management.

He said strong measures were being taken in the state to double the income of farmers. Special schemes for each district had been made.

He said that in the year 2020, Uttarakhand would complete 20 years of its existence. For this, the government had prepared a vision by the name Lakshya 2020 wherein the aim was to provide electricity, cooking gas and employment to every family. Trauma centres, blood banks and ICUs in every district and achieving hundred per cent literacy were also part of this vision.

He said that places in all 13 districts had been identified which would be developed as international tourist destinations

The Governor said that rural development could check migration .The fruits of development should reach remote areas of the state.

Efforts were also being made to improve the standard of education in government schools. For higher education also, efforts for underway to improve the quality. The standards of research in universities needed to be improved and was being focused upon. He said that new technology should be used to enhance skill development in the state

He said that besides available doctors being posted in hill areas, telemedicine was also proving effective.

The Governor said road safety had to be taken care of as many lives had been lost in road accidents this year.

He said Uttarakhand had become the fourth state in the country to become Open Defecation Free (ODF). This success has to be sustained. Uttarakhand is a tourist state and we must ensure that visitors to the state carry back a good and clean image of it with them.

------0------

- **राज्यपाल डॉ0 कृष्ण कांत पाल ने दी स्वतंत्रता दिवस की बधाई**
- **15 अगस्त को राजभवन में प्रातः 8.00 बजे राज्यपाल करेंगे ध्वजारोहण**
- **नवभारत के निर्माण में सभी से सहयोग करने की अपील**
- **विकास के कई पैमानों पर उत्तराखण्ड देश के शीर्षस्थ राज्यों में से एक**

राजभवन देहरादून दिनांक 14 अगस्त, 2018

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डॉ0 कृष्ण कांत पाल ने सभी देश एवं प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर राज्यपाल द्वारा प्रातः 8.00 बजे राजभवन में ध्वजारोहण किया जायेगा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल डॉ0 पाल ने कहा कि हम एक ऐसे नव भारत का निर्माण करें जिसमें सभी को आगे बढ़ने के समान अवसर हों। साधन सम्पन्न व साधन हीन नागरिकों के बीच का अंतर कम हो। हमारी यही कोशिशें आजादी के नायकों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। **राज्यपाल डॉ0 कृष्ण कांत पाल ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों और महान नायकों का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।**

राज्यपाल डॉ0 पाल ने अपने संदेश में कहा कि विकास के कई पैमानों पर उत्तराखण्ड देश के शीर्षस्थ राज्यों में से एक है। राज्य सरकार प्रदेश में जन सेवा के लिये स्वच्छ, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने के लिए काम कर रही है। सुशासन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठायें गये हैं। प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य ने किसानों की आय दो गुना करने के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में बेहद मजबूत कदम आगे बढाये हैं। प्रदेश में कृषि विभाग, पंतनगर विश्वविद्यालय और कृषि से जुड़े अन्य संस्थानों ने मिलकर राज्य के सभी जनपदों के लिए अलग–अलग विशेष कार्ययोजना बनाई है।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के संदर्भ में वर्ष 2020 एक महत्वपूर्ण पड़ाव है जब हम राज्य गठन के 20 वर्ष पूर्ण करेंगे। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए राज्य सरकार ने लक्ष्य 2020 नाम से अपना एक विजन निर्धारित किया है। इस लक्ष्य में वर्ष 2020 तक प्रत्येक घर को बिजली देना, प्रत्येक परिवार को कुकिंग गैस देना, वंचित परिवारों के सदस्यों को जीविका के साधन देना, प्रत्येक जनपद में ट्रॉमा सेण्टर, ब्लड बैंक और आई.सी.यू खोलना, शत प्रतिशत साक्षरता प्राप्त करना जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किये गए हैं।

सरकार ने सभी तेरह जिलों में तेरह ऐसे स्थान चिन्हित कर लिए हैं जिन्हें आने वाले समय में विश्वभर के टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जायेगा। यह एक अच्छी पहल है। पर्यटन को स्थानीय आर्थिकी से जोड़ना होगा। इसके लिए योग, आयुर्वेद, साहसिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, आर्गेनिक फार्मिंग, जड़ी–बूटी इन सभी को एक साथ समग्र रूप से देखना होगा, विकसित करना होगा। होम–स्टे योजना इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

हमारे प्रदेश की खुशहाली का रास्ता भी हमारे गावों से होकर गुजरता है। राज्य ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग द्वारा एक अंतरिम रिपोर्ट दी गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाओं को बढ़ाकर तथा रोजगार के अवसर पैदा कर, पलायन पर काबू पाया जा सकता है। इसके साथ ही विकास की ऐसी योजना आवश्यक है जिससे कि विकास का लाभ दुर्गम क्षेत्रों तक भी बराबर पहुंच सके।

सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार के लिए कदम उठाये गये हैं। कक्षा तीन में विज्ञान विषय अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने का निर्णय लिया गया है। स्कूलों में व्यवहारिक अंग्रेजी सिखाने के लिए 'उन्नति' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उच्च शिक्षा में और अधिक बेहतर वातावरण तैयार करने के लिए कई कदम उठाये जा रहे हैं। कालेजों और विश्वविद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर को पर्याप्त और आधुनिक करना अति आवश्यक है। रिक्त फैकल्टी पदों को भी जल्द भरना होगा। विश्वविद्यालयों को शोध कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान रखने के निर्देश दिये गये हैं।

राज्यपाल डॉ0 पाल ने कहा कि कौशल विकास के क्षेत्र में भी नई टेक्नॉलॉजी को जगह देने की जरूरत है। इण्टरनेट के नये–नये एप्लिकेशन, साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता, पैरामेडिकल साइंस और पब्लिक सर्विस डिलिवरी के नये तरीकों में लोगों को स्किल्ड बनाने की जरूरत है।

स्वास्थ्य सुविधाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जहाँ एक ओर पहले से उपलब्ध डॉक्टरों में से कई को पर्वतीय क्षेत्रों में तैनात किया गया है वहीं दूसरी ओर टेलीमेडिसिन–टेली रेडियोलॉजी जैसे नये तकनीकि आधारित समाधान भी प्रयोग में लाये जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष कुछ गम्भीर सड़क दुर्घटनाओं के मामले भी सामने आये हैं जिनमें अत्यधिक जनहानि हुई है। सड़क सुरक्षा अभियान की ओर ध्यान देना आवश्यक है।

स्वच्छता अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को देश का खुले में शौच से मुक्त होने वाला चौथा राज्य होने का गौरव प्राप्त है। राज्य की सभी नगर निकायों ने भी खुद को ओ.डी.एफ घोषित कर दिया है। यह वास्तव में हर्ष का विषय है परन्तु इस कामयाबी को संजोकर रखना हमारे लिए बड़ी चुनौती है। हमारे प्रदेश में देश विदेश से लाखों पर्यटक–तीर्थ यात्री आते हैं। वापस लौटते समय वे उत्तराखण्ड की साफ–सुथरी अच्छी छवि लेकर जायें यह महत्वपूर्ण हो जाता है।

.....0.....